३. अपने हृदय के किवाड खोलो

अपने हृदय के किवाड खोलो
धर्मों पक्ष की दीवाल तोडो
परमात्मा से नाता जोडो

दादा दादा बोलो भगवन बोलो

दृष्टि बिंदु के अनुसार
सब ही धर्मों को आधार

अपनी जगह पे सब हैं सच्चे
उत्क्रांति के नियम से चलते

रोंग बिलिफ ''ब्लंडर्स'' को भेदो
कौन है खुद ? वो दिल से सोचो
अंत : स्तल के भीतर को खोदो

दादा दादा बोलो भगवन बोलो

जिससे कुछ भी नहीं अनजाना
ज्ञानी पुरुष प्रगट शुद्धात्मा

मोक्ष मिला दे चेतन आत्मा
स्वपरिणामी सत् ज्ञानात्मा

जिसका नहीं निकलता फोटो
उसको दिखा दे दादा बोस्तो

केवल सत् है सुख समझो तो
दादा दादा बोलो भगवन बोलो

जगत के सुख दुःख उदय के आधिन
पुद्गल सत्ता पर और पराधीन

अंतर सुख है सच्ची शांति
बुझ 'व्यवस्थित' करम समाप्ति

निर्विकल्प समाधि साधो
ज्ञातापद में ज्ञेय को देखो

अपना आतम सुख ही खोलो
दादा दादा बोलो भगवन बोलो